an>

Title: Issue regarding pathetic condition of persons from eastern region of Uttar Pradesh in Gulf countries.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश में सीमावर्ती तथा पूर्वी जिलों, जहां रोजगार के अवसर न के बराबर हैं तथा वहां बाढ़ व अन्य कारणों के कारण लोगों की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है, यहां के नौजवानों तथा जरूरतमंद लोगों को अच्छी जिंदगी व अच्छी नौकरी का लालच देकर खाड़ी के देशों, ज्यादातर अरब देशों में, इन क्षेत्रों में सक्रिय दलालों द्वारा भारी रकम लेकर भेजा जा रहा है, जहां पर कई लोग जाकर फंस गये हैं। उनके साथ मार-पिटाई तथा जबरदस्ती गैर-कानूनी तरीके से काम लिया जा रहा है। उनके पासपोर्ट और आई.डी. सर्टिफिकेट वगैरह छीन लिये गये हैं और उन्हें भोजन भी ठीक से नहीं मिल पा रहा है। कुछ लोगों ने अपने परिजनों से सम्पर्क किया है। परंतु क्षेत्र में सक्रिय उक्त दलालों की शिकायत करने तथा पुलिस व सक्षम अधिकारियों से सम्पर्क करने के बावजूद दलालों के विरुद्ध कोई कार्रवाई न होने के कारण वहां फंसे हुए लोगों के घर-परिवार के लोग हताश व परेशान हैं। जिसके कारण दलालों के हौसले बुलंद हैं तथा वे लोगों से भारी रकम लेकर खाड़ी देशों में लगातार व्यक्तियों को भेज रहे हैं। मेरे लोक सभा क्षेत्र के ग्राम कमलापुरी, थाना संपूर्णानगर, जिला लखीमपुर खीरी के बृजानंद व शंकर दयाल, श्री उरमान पुत्र हदीस, कमलापुरी से दो लाख रुपये लेकर सऊदी अरब भेज दिया था। जहां उन्हें बेहद कठिन परिस्थितियों व अमानवीय व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। मैंने विदेश मंत्रालय से सम्पर्क किया था, वहां से सकारात्मक कार्रवाई हो रही है तथा पीड़ित परिवार भी विदेश मंत्रालय द्वारा दी जा रही सूचना व पत्रों के माध्यम से सरकार के सम्पर्क में है तथा संतुष्ट है। परंतु जिला स्तर पर दलालों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

माननीय अध्यक्ष : आप कार्रवाई की मांग कीजिए, लम्बा-चौड़ा क्यों पढ़ रहे हैं।

श्री अजय मिश्रा टेनी : मैं केवल एक सैन्टेंस और बोलूंगा। परंतु जिला स्तर पर दलालों के विरुद्ध पुलिस व सक्षम अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई न किये जाने के कारण दलालों के हौसले बुलंद हैं तथा उक्त प्रकार की घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। पीड़ित परिवारों की सुनवाई न होने के कारण जनता में आक्रोश है। अतः आपके माध्यम से दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा सरकार से पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग करता हूं।

माननीय अध्यक्ष : सबको समझना चाहिए कि शून्यकाल में लम्बा-चौड़ा लिखा हुआ पेपर लाकर नहीं पढ़ते हैं, अपनी बात थोड़े में उठाते हैं, वही महत्वपूर्ण है।